महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा
ज्ञान शांति मैत्री
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दिनांक : 06/03/2026

द्वितीय सत्र- सत्रीय कार्य की सूचना

एम.ए. इतिहास (सत्र- 2024-26) दूर शिक्षा

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। पाठ्यसामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें एवं अपने शब्दों में लिख सकें, इसका तात्पर्य यह है कि निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रूप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार करके अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विद्वानों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपके परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यानमें रखकर करेंगे।

1. एम.ए.,इतिहास (दूर शिक्षा) (सत्र- 2024-26) **चतुर्थ सेमेस्टर** के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि सत्रीय कार्य के प्रश्नपत्र के अनुसार **स्वहस्ताक्षर** में प्रश्नों के उत्तर A-4, साईज के पृष्ठ पर लिखकर आपको आवंटित किए गए अध्ययन केंद्र (Study Centre) पर हार्ड कॉपी में दिनांक 03/04/2026 तक जमा करना सुनिश्चित करें।
2. प्रत्येक विषय के सत्रीय कार्य के प्रथम (पहले) पृष्ठ पर निम्नांकित जानकारी आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें।
    1. छात्र का नाम : ....
    2. नामांकन संख्या : ....
    3. अध्ययन केद्र का नाम : ....
    4. विषय/प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड संख्या : ....
    5. सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने का दिनांक : ....
    6. छात्र के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : ....
    7. अध्ययन केंद्र में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : ....

पाठ्यक्रम संयोजक
डॉ. परिमल प्रियदर्शी
अनुसंधान अधिकारी

प्रथम पृष्ठ का प्रारूप

(प्रत्येक विषयों के सत्रीय कार्य के प्रथम पृष्ठ पर अनिवार्य)

1. छात्र का नाम : .....
2. नामांकन संख्या : .....
3. अध्ययन केंद्र का नाम : .....
4. विषय/प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड संख्या : .....
5. सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने का दिनांक : .....
6. छात्र के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....
7. अध्ययन केंद्र में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA History (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम.ए., इतिहास(चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय :MAHS –16 भारत में भाषायी व क्षेत्रीय आंदोलन

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 से 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक हैं।**

प्रश्न संख्या (1) भाषायी-आधार पर निर्मित स्वतंत्र भारत के प्रथम राज्य आन्ध्र प्रदेश के निर्माण पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न संख्या (2) कश्मीर समस्या क्या है? कश्मीर के अलगाववादी आंदोलन के इतिहास का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (3) दलित विमर्श में डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान की चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) झारखंड राज्य आंदोलन क्यों चलाया गया?

प्रश्न संख्या (5) पंजाब में अलगाववादी आंदोलन पर प्रकाश डालिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA History (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम.ए., इतिहास(चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय :MAHS -17 आधुनिक भारत विचार एवं विचारक

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 से 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक हैं।**

प्रश्न संख्या (1) रमेशचंद्र दत्त के राष्ट्रवादी विचारों का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न संख्या (2) औपनिवेशिक भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संवर्धन में बाल गंगाधर तिलक की भूमिका की विवेचना कीजिए।

प्रश्न संख्या (3) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में विनायक दामोदर सावरकर की भूमिका की चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) रविन्द्रनाथ टैगोर पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न संख्या (5) एरोड वेंकट रामास्वामी नायकर 'पेरियार' के सामाजिक-राजनीतिक योगदान का वर्णन कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA History (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम.ए., इतिहास(चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय :MAHS -18 भारतीय संविधान

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 से 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक हैं।**

प्रश्न संख्या (1) संविधान के मूल-अधिकारों के अनुच्छेद 14-32 की विवेचना कीजिए।

प्रश्न संख्या (2) उपराष्ट्रपति की शक्तियों एवं योग्यताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (3) भारतीय संविधान में विभिन्न देशों के संवैधानिक स्रोतों के मिश्रण की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) केंद्र-राज्य संबंधों के पारस्परिक आयामों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न संख्या (5) नीति निर्देशक सिद्धान्तों की विशेषताओं एवं इसके तत्वों की व्याख्या कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA History (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम.ए., इतिहास(चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय :MAHS -19 भारत में परिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 से 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक हैं।**

प्रश्न संख्या (1) प्राकृतिक संसाधन किसे कहते हैं? प्राकृतिक संसाधन के प्रकार एवं इनका मनुष्य समाज से संबंध का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (2) पर्यावरणीय दोहन से उत्पन्न पर्यावरणीय असंतुलन के कारण एवं पर्यावरणीय असंतुलन की नियन्त्रण की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या (3) धार्मिक स्थापत्य पर्यावरण संरक्षण का संदेश किस प्रकार देते हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) इतिहास में जनजातीय समाज के महत्व को बताइए। पारिस्थितिकी, पर्यावरण एवं जनजातीय समाज किस प्रकार एक दूसरे के पूरक हैं। व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या (5) भारत के इतिहास में कृषि के उदय की व्याख्या करते हुए वर्तमान समय में कृषि की स्थिति का वर्णन कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA History (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम.ए., इतिहास(चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय :MAHS -20 लघु शोध प्रबंध

सत्रीय कार्य

- विद्यार्थी को एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के पूर्व एक लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
- यह लघु शोध प्रबंध हस्तलिखित न्यूनतम 60 पृष्ठों का होगा।
- लघु शोध प्रबंध का विषय विद्यार्थी, संबंधित पाठ्यक्रम संयोजक से संपर्क कर निर्धारित कर सकते हैं।
- विद्यार्थी के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे लघु शोध प्रबंध लेखन करते हुए शोध-प्रविधि का प्रयोग करें।

पाठ्यक्रम संयोजक